विद्या भवन बालिका लिद्यापीठ लखीसराय

वर्ग दशम् विषय संस्कृत विषयशिक्षक श्यामउदय सिंह

ता: 11-04-2021 (एन.सी.ई.आर.टी. पर आधारित)

- श्लोक 3.

  हरिततरुणां ललितलतानां माला रमणीया ।

  कुसुमावलि: समीरचालिता स्यान्मे वरणीया ।।

  नवमालिका रसालं मिलिता रुचिरं संगमनम् ।शुचि.....।।

- शब्दार्थ हरिततरुणां -हरेभरे वृक्षों की
  ललितलतानां -सुन्दर लताओं
  माला -पंक्ति
  रमणीया -सुंदर
  कुसुमावलि: - फूलों की पंक्ति
  समीरचालिता -हवा से हिलाई गई
  वरणीया – वरण करने योग्य
  नवमालिका -नई पंक्ति
  मिलिता – प्राप्त हो
  संगमनम् – मेल

- सरलार्थ हरे भरे वृक्षों की,सुंदर लताओं की माला ,हवा से हिलाई गई फूलों पंक्ति मेरे लिए सुंदर हो ।आम की नई पंक्ति रुचिपूर्वक प्राप्त हो ।शुद्ध पर्यावरण ही हमारी शरण है।